जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 206 प्रभात बीकानेर, रविवार 16 फरवरी, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

ए.आई.सी.सी. के नये पुनर्गठन में अजीबो-गरीब नेताओं की नियुक्ति हुई?

ज्यादातर वे नेता पदोन्नत हुए हैं, जो पार्टी के पक्ष में ''पॉज़िटिव'' रिज़ल्ट नहीं दे पाये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। शुक्रवार देर रात कांग्रेस ने ए.आई.सी.सी. में जो सीमित फेरबदल घोषित किया है उससे पार्टी कार्यकर्ता और नेता दोनों ही हतप्रभ हैं जिन लोगों को लिया गया है उन्होंने पार्टी को कोई उपलब्धि नहीं दिलाई है और उनमें से अधिकांश को कई बार परखा जा चुका है और वे कई बार असफल साबित हुए हैं।

उच्चस्तरीय सूत्रों का कहना है कि पंजाब के कुछ नेताओं ने सोनिया गांधी को हरीश चौधरी, पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी और कृष्ण अल्लूवेरा द्वारा हवाला के तहत पैसों का लेन देन करने के सबूत भी दिए थे।

सोनिया गांधी ने उन्हें राहुल से मिलने को कहा था।

इसका परिणाम यह हुआ कि हरीश चौधरी को एआईसीसी में वापस लाया गया और उन्हें मध्य प्रदेश जैसे बड़े और महत्वपूर्ण राज्य का प्रभारी बनाया गया, हालांकि वे पंजाब में वापस भेजे जाने के लिए कड़ी लॉबिइंग कर रहे थे।

- हरीश चौधरी को मध्य प्रदेश का प्रभारी बनाया गया।
- भूपेश बघेल, जिनके नेतृत्व में पहले तो चुनाव में कांग्रेस की भारी हार हुई और सरकार गई और अब हाल ही में हुए, म्युनिसिपैलिटी के चुनावों में भी कांग्रेस को पुनः हार का सामना करना पड़ा। पर, अब बघेल को पंजाब का प्रभारी बनाया गया है, क्योंकि, चर्चाओं के अनुसार, बघेल को प्रियंका गांधी का वरद हस्त प्राप्त है।
- इसी प्रकार, एक समय राहुल का दाहिना हाथ माने जाने वाले पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी को झारखंड का इंचार्ज बनाया गया है तथा पुरानी वफादार मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना का प्रभारी बनाया गया है। हालांकि, दोनों ने कभी कोई खास सफलता नहीं दिलवाई पार्टी को।
- हरीश चौधरी, कृष्णा अल्लूवेरा को क्रमशः एम.पी. व बिहार का इंचार्ज बनाया गया है, जबकि, दोनों के खिलाफ सोनिया गांधी के सामने कई शिकायतें आई हैं, पैसों के लेन-देन की। चन्नी का नाम भी शॉर्ट लिस्ट हुआ था, पर, उन्होंने भी पंजाब में सक्रिय रहने की इच्छा दिखाई। ऐसा भी कहा जा रहा है कि उनके खिलाफ शिकायतें पहुंची थीं, सोनिया गांधी के सामने।

कृष्णा अल्लुवेरा को कई बार पदोन्नत किया गया है और अब उन्हें बिहार का प्रभारी बना दिया गया है, जहां इस साल चुनाव होने हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या वे लालू यादव से बैठकर बात कर पाएंगे, बाकी लोगों की बात तो छोड़ ही दें।

चन्नी ने राज्य की राजनीति में बने रहने की इच्छा जताते हुए एआईसीसी में आने से इंकार कर दिया, हालांकि उनका नाम शॉर्टलिस्ट किया गया था। सवाल यह है कि जब उन्हें रुचि नहीं थी तो उनका नाम शॉर्टलिस्ट कैसे किया गया?

मल्लिकार्जुन खड़गे के विश्वासपात्र सहायक नासिर हुसैन को जम्मू-कश्मीर का प्रभारी महासचिव बनाया गया है, हालांकि वरिष्ठ कर्नाटक नेता बी. के. हरि प्रसाद को केवल राज्य प्रभारी का पद देकर हरियाणा का प्रभारी के प्रभारी पद पर वापस लाया गया है। वे पहले महासचिव थे।

पता चला है कि कर्नाटक के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल के बंगले की जाँच होगी

नयी दिल्ली, 15 फ़रवरी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिस बंगले में रहते थे उसके जीर्णोद्धार में हुई कथित गड़बड़ी को लेकर केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने जांच के आदेश दिए हैं। यह आदेश केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के आधार पर दिया गया है। सीपीडब्ल्यूडी की इस रिपोर्ट में दिल्ली के सिविल लाइन्स में 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास के जीर्णोद्धार में अनियमितता का आरोप लगा है।

- सीपीडब्ल्यूडी की रिपोर्ट के आधार पर केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने जांच के आदेश दिये।

उल्लेखनीय है कि इस बंगले को लेकर भाजपा ने पूरे चुनाव प्रचार के दौरान इसे शीश महल का नाम देकर आम आदमी पार्टी और केजरीवाल पर हमले किए थे।

ग़ौरतलब है कि भाजपा के नेता विजेंद्र गुप्ता ने इस मामले में शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया था कि दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग ने लगभग आठ एकड़ में बने बंगले का पुनर्निर्माण करते समय नियमों का उल्लंघन किया। उन्होंने दावा किया था कि इसके निर्माण में कई प्रकार की गड़बड़ी हुई हैं।

'जिसे आप अपने घर में पवित्र व शुभ मानते हैं, उससे उल्टा व्यवहार करते हैं, बाकी विश्व में'

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने म्युनिख सिक्युरिटी कॉन्फ्रेंस में पश्चिमी देशों के इस सोच का खुलकर विरोध किया और कहा कि विश्व में ''प्रजातंत्र'' संकट में है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 फरवरी। लोकतंत्र के संकट में होने की बढ़ती धारणा को नकारते हुए, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को संबोधित करते हुए पश्चिम पर कटाक्ष किया व कहा कि पाश्चात्य जगत लोकतंत्र को एक पश्चिमी विशेषता के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि भारत, 'सभी चुनौतियों' के बावजूद, यहां तक कि कम आय के स्तर पर होने के बाद भी, लोकतांत्रिक मॉडल के प्रति 'सच्चा' बना रहा।

म्युनिख सुरक्षा सम्मेलन में ''लिव टू वोट अनदर डे: फोर्टिफाईंग डेमोक्रेटिक रैज़िलिएंस'' पैनल चर्चा में नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टॉर, अमेरिकी सीनेटर एलिसा स्लॉटकिन और वारसॉ के मेयर राफाल त्रज़ास्कोवस्क के साथ भाग लेते हुए, जयशंकर ने कहा कि वह इस विचार से असहमत हैं कि लोकतंत्र विश्व स्तर पर संकट में है और उन्होंने भारत के लोकतंत्र के बारे में बात की। मोदी सरकार के मंत्री के रूप में उन्होंने अपेक्षित भूमिका निभाई।

पश्चिमी लोकतंत्र पर उनके विचार

- जयशंकर ने कहा कि भारत में 90 करोड़ मतदाताओं में 70 करोड़ मतदाताओं ने चुनाव में वोट किया और सारे वोट एक ही दिन में गिनते हैं। जब से मतदान द्वारा चुनाव के मार्फत सरकार का गठन शुरु हुआ, तब से अब 20 प्रतिशत ज्यादा व्यक्ति वोटिंग में भाग ले रहे हैं।
- अमेरिका की सिनेटर एलिस स्लॉटकिन के कटाक्ष, कि ''प्रजातंत्र डाइनिंग टेबिल'' पर खाना नहीं देता'', के जवाब में उन्होंने कहा कि मेरे देश में (भारत में) प्रजातंत्र डाइनिंग टेबिल पर खाना जरूर पहुंचाता है। प्रजातंत्री तरीके से चुनी गई सरकार उन 80 करोड़ लोगों को खाना पहुंचाती है और उनके पेट में खाना पहुंचे यह उन लोगों के लिए रोज़मर्रा में स्वस्थ रहने का एकमात्र रास्ता है।

पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं एक ऐसे पैनल, जो शायद निराशावादी है, में एक आशावादी के रूप में दिखाई दिया। मैं अपनी उंगली उठाकर शुरुआत करूंगा और कृपया इसे गलत न समझें, यह तर्जनी अंगुली है। यह जो निशान आप मेरे नाखून पर देख रहे हैं, यह हाल ही में किए गए मतदान का निशान है। हम हाल ही में अपने राज्य (दिल्ली) में चुनाव करवा चुके हैं। पिछले साल, हमारे यहां राष्ट्रीय चुनाव हुए थे। भारतीय चुनावों में लगभग दो-तिहाई पात्र मतदाता वोट करते हैं। राष्ट्रीय चुनावों में, 90 करोड़ मतदाताओं में से 70 करोड़ ने वोट किया। हम एक ही दिन में वोटों की गिनती करते हैं।

उन्होंने कहा, ''आधुनिक युग में जब से हम ने मतदान करना शुरू किया तब से लेकर अब तक वोटिंग प्रतिशत में 20 प्रतिशत वृद्धि हुई है, तो पहला संदेश यह है कि हो सकता है किसी रूप में लोकतंत्र वैश्विक स्तर पर संकट में हो, पर मैं माफी चाहता हूं, मैं इससे सहमत नहीं हूं। मेरा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उमा भारती भी खड़ी हुईं विपक्ष के साथ

उनका कहना था, भारतीय नागरिकों को ''अपमानजनक'' तरीके से अमेरिका से भारत भेजना बहुत अनुचित था

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। जिस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों का दूसरा बैच अमृतसर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने वाला है, उस दिन भाजपा की उपाध्यक्ष और मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, अमेरिकी सरकार को आड़े हाथों लेने में विपक्षी नेताओं के साथ एकजुट नज़र आईं। उन्होंने कहा, ''हथकड़ी और बेड़ी में भारतीयों को वापस भेजने का यह क्रूर और शर्मनाक तरीका है।''

पूर्व में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा था कि अवैध प्रवासियों को ''हथकड़ी बेड़ी लगाना'' ''स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर'' है।

विपक्षी नेता आश्चर्य और निराशा व्यक्त करते रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने डिपोर्ट किए गए लोगों के साथ किए गए ''अमानवीय व्यवहार'' का विरोध भी नहीं किया। जबकि, जयशंकर ने कहा था कि भारत सरकार अवैध भारतीय प्रवासियों के प्रत्यर्पण में अमेरिका की सरकार का सहयोग करेगी।

- यह उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भारतीयों को ''हथकड़ी' पहनाकर, पांव में बेड़ियां डाल कर भेजने को ''सामान्य प्रक्रिया'' बताया था संसद में।

पहले बैच के प्रवासी जब प्लेन से उतरते समय हथकड़ी और बेड़ी में नज़र आए थे तो जयशंकर ने इस मुद्दे को हल्का करने की कोशिश की, यह कहते हुए कि अवैध प्रवासियों के प्रत्यर्पण में कुछ नया नहीं है। जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि 2009 से अब तक, अमेरिका ने लगभग 15,000 भारतीयों को वापस भेजा है, जिन्होंने अवैध रुप से देश में प्रवेश किया था।

उमा भारती, जिन्होंने भाजपा नेतृत्व से असहमति होने के बाद अपनी राजनीतिक पार्टी बनाई थी, ने एक विपरीत रुख अपनाया और इस घटना की तुलना, अमेरिकी सरकार द्वारा रेड इंडियंस और अफ्रीकी मूल के लोगों के प्रति दिखाए गए ''क्रूर और हिंसक'' रवैये के साथ की। उन्होंने कहा, ''किसी देश में अवैध रुप से प्रवेश करना अपराध है और प्रत्येक देश के पास इसके दंड के लिए कानूनी प्रावधान होते हैं। लेकिन ऐसी क्रूरता एक बहुत बड़ा पाप है।''

अमृतसर हवाई अड्डे पर 5 फरवरी को 104 अवैध भारतीय प्रवासियों के पहुंचने के बाद, 119 प्रत्यर्पितों का दूसरा बैच आज रात अमृतसर हवाई अड्डे पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

20 फरवरी को मिलेगी, दिल्ली को नई सरकार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। दिल्ली में 20 फरवरी को भाजपा की सरकार बनेगी, जिसमें परवेश वर्मा को मुख्यमंत्री और डॉ. मोहन एस. बिष्ट को विधानसभा स्पीकर और रवि नेगी को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। शबरी जयंती, 20 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली में नई सरकार को अंतिम रूप देंगे। अरविंदर लवली, उपाध्याय, निर्दलीय कपिल मिश्रा, रविकांत, विजेन्द्र गुप्ता, मजिंदर सिंह सिरसा व संजय गोयल को मंत्री बनाया जा सकता है।

- परवेश वर्मा मुख्यमंत्री, रवि नेगी उपमुख्यमंत्री और मोहन बिष्ट स्पीकर चुने जाएंगें।

जयललिता के अरबों के जवाहरात, साड़ियाँ व सम्पत्तियों का स्वामित्व तमिलनाडू सरकार ने ग्रहण किया

बैंगलोर कर्नाटक विधान सौधा की ट्रैज़री से इस बहुमूल्य समान को प्राप्त करने के बाद तमिलनाडू पुलिस के संरक्षण में चेन्नई शिफ्ट किया गया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। एक लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार तमिलनाडू सरकार को जयललिता के खजाने का स्वामित्व मिल ही गया। यह खजाना, जिसमें सोने के कलश व अन्य कीमती वस्तुएं शामिल हैं, कर्नाटक विधान सौधा की ट्रैज़री में रखा हुआ था। कोर्ट के निर्देशानुसार कर्नाटक विधान सौधा की ट्रैज़री में इसे कड़ी सुरक्षा में रखा हुआ था। इसका मालिकाना हक प्राप्त करने के बाद तमिलनाडू सरकार इस बैंगलोर से चेन्नई ला रही है।

लिस्ट के अनुसार, इस खजाने में 27.5 किलो सोना, हीरे व अन्य कीमती सामान हैं, जो उस समय जब्त किया गया था तब तमिलनाडू की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता को आय से अधिक सम्पत्ति मामले में तमिलनाडू पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। तमिलनाडू पुलिस यह खजाना कड़ी सुरक्षा में चेन्नई लेकर आएगी। कोर्ट स्टाफ ने यह खजाना तमिलनाडू सरकार के प्रतिनिधि को सौंपा। यह सामान कई साल पहले जब्त किया गया था, तब से इसकी कीमत कई गुना बढ़ गई है।

- 27.55 किलो सोना, 1,116 किलो चाँदी, 1525 एकड़ भूमि के कागज़ात, 11,000 सिल्क साड़ियाँ, कीमती रत्न, आभूषण व अन्य सामान, तमिलनाडू सरकार को न्यायालय के आदेश से मिला।
- जयललिता के भतीजे व भतीजी दीपक व दीपा ने कोर्ट के इस आदेश को न्यायालयों में चुनौती दी थी, पर, सभी कोर्टों में उनका मुकदमा खारिज होने के बाद, यह सब सामान तमिलनाडू सरकार को मिला।
- पर न्यायालय ने जयललिता का निवास, पोएस गार्डन का स्वामित्व, जयललिता के भतीजे व भतीजी, दीपक व दीपा को देने का निर्णय सुनाया। तमिलनाडू सरकार ने इस निवास को अधिग्रहित करके यहाँ एक म्यूज़ियम बनाने की योजना प्रस्तुत की है।

सामान की लिस्ट इस प्रकार है: सोना- 27.55 किलोग्राम, चाँदी- 1,116 किलोग्राम, जमीन, जिसके कागजात हैं,- 1526 एकड़, सिल्क साड़ियाँ-11,000, इसके अलावा हीरे व अन्य कीमती पत्थरों के आभूषण तथा अन्य सामान शामिल है। यह सब सामान कर्नाटक विधान सौधा खजाने में सुरक्षित रखा हुआ था। जब कोर्ट ने फैसला दे दिया कि इस खजाने पर तमिलनाडू और वहाँ की सरकार का हक है तो राज्य सरकार के प्रतिनिधियों ने उसका मालिकाना हक लिया और कड़ी सुरक्षा में खजाना चेन्नई भेजने की व्यवस्था की।

खजाना हस्तांतरण के समय सरकारी अधिकारी व कोर्ट के अधिकारी मौजूद थे।

जयललिता के रिश्तेदारों, भतीजी जे. दीपा और भतीजे जे. दीपक ने कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी और इस कीमती सामान पर हक जताते हुए कहा था कि वे जयललिता के कानूनी वारिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाकुंभ : कल्पवास पूरा कर दंडी स्वामी संत रवाना हुए

महाकुंभनगर,15 फरवरी। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महासमागम, महाकुंभ के माघ माह के कल्पवास में प्रायश्चित के त्रिजटा स्नान के बाद दंडी स्वामी संत अपने अपने मठ मंदिरों के लिए रवाना हो गए। प्रयागराज महाकुंभ अपने समापन की तरफ अग्रसर है। बसंत पंचमी के अमृत स्नान के बाद पहले 13 अखाड़ों की महाकुम्भ नगर से विदाई और फिर माघ पूर्णिमा के स्नान पर्व के बाद कल्पवासियों की रवानगी हो चुकी है। इसी क्रम में माघ माह के कल्पवास

- अखिल भारतीय दंडी परिषद के प्रमुख जगदपुरु स्वामी महेशाश्रम ने कहा कि माघ महीने का कल्पवास माघ पूर्णिमा की डुबकी के साथ पूरा हो जाता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'यूरोप व पश्चिमी देश, विश्व को केवल रंगीन चश्में से देखते हैं'

एस. जयशंकर ने पुरजोर ढंग से म्युनिख सिक्युरिटी कॉन्फ्रेंस में अपने उद्गारों से काफी हलचल पैदा की, कि कई अन्य वैकल्पिक सोच व सच्चाई ही मौजूद हैं विश्व में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। भारत के विदेश मंत्री, एस. जयशंकर, का म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक अमेरिकी सीनेटर के साथ लोकतंत्र पर विवाद हो गया, खासकर पश्चिमी दुनिया के बाहर वाले लोकतांत्रिक समाजों के बारे में।

अमेरिकी सीनेटर ने कहा कि लोकतंत्र खाने की मेज़ पर भोजन नहीं पहुँचाता है। इस पर जयशंकर ने जोरदार प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति 80 करोड़ लोगों को भोजन दे रही है और उन्हें पोषण सहायता प्रदान कर रही है, जिससे उनका स्वास्थ्य निर्धारित होता है।

भारतीय विदेश मंत्री ने यह कहा कि पश्चिमी शक्तियाँ दुनिया के अन्य हिस्सों में हो रहे घटनाक्रम से अनजान हैं, खासकर तथाकथित तीसरी दुनिया के देशों में। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में ''अलग तरह का संवाद''हो रहा है, जो यूरोपीय या पश्चिमी विचारों से पूरी तरह मेल नहीं खाता है।

उन्होंने तर्क दिया कि पश्चिम के दायरे और इसके तथाकथित आदर्शों के बाहर लोग समाधान पर काम कर रहे हैं। पश्चिमी देश सभी को अपनी आँखों और पूर्वाग्रहों से देखते हैं और विविधता व परिवर्तन को स्वीकार नहीं करते हैं।

जयशंकर प्रतिष्ठित म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में बोल रहे थे, जो एक वार्षिक आयोजन है, जहाँ दुनिया के प्रमुख नेता यह विचार करते हैं कि वैश्विक व्यवस्था कैसी है और इसे सुधारने के लिए वे कैसे साथ काम कर सकते हैं।

जयशंकर अब अंतरराष्ट्रीय मामलों में पश्चिमी रुख पर अपने सीधे हमलों के कारण वैश्विक संवाद मंच पर, अनिच्छा से ही सही, लेकिन, एक प्रभावी व्यक्तित्व के रुप में स्वीकार कर लिए गए हैं। उन्होंने पहली बार अपनी उपस्थिति तब दर्ज की थी जब रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस से तेल खरीदने पर भारत की स्थिति के बारे में उनसे सीधा सवाल किया गया था।

- जयशंकर को उनके स्पष्ट दो टूक बात कहने के तरीके के कारण अब सम्मान व उचित गंभीरता से लिया जाने लगा है, अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंसों में।
- अब, जबकि, ट्रम्प के अपरम्परागत सोच व विदेश नीति पर उद्गारों से यूरोप व बाकी विश्व अचंभित व भयभीत है, जयशंकर की ओर देखा जा रहा है, अमेरिका के नये सोच को संतुलित करने के लिये।
- उदाहरण के लिये, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने म्युनिख कॉन्फ्रेंस में यूरोपियन देशों को काफी लताड़ा। रूस की चुनौती का सामना करने के लिए ''उचित'' व व्यावहारिक जवाब नहीं देने के लिये। उपराष्ट्रपति वैंस का संकेत था कि यूरोप यह मानकर न चले की हर बार अमेरिका, यूरोप के सुरक्षा खर्चों का भार वहन करता रहेगा।

इस वर्ष का म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन ट्रंप 2.0 और एक और अधिक अशांत एवं ज्वालामुखी जैसी अंतरराष्ट्रीय स्थिति की छाया में हो रहा है। यूक्रेन युद्ध के अलावा, इज़रायल-हमास संघर्ष और आक्रामक चीन ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों के परिदृश्य को उलट दिया है।

सम्मेलन के पिछले दो दिनों में, अमेरिकी प्रशासन ने अपने नए नियुक्त भारी-भरकम नेताओं को भेजा था ताकि वे अमेरिकी नीतियों और प्रथाओं पर उठ रहे सवालों का जवाब दे सकें। अमेरिकी उपराष्ट्रपति, जे.डी. वैंस ने रुस से आने वाली चुनौतियों के मुकाबले में विश्वसनीय सैन्य प्रतिक्रिया तैयार नहीं करने के लिए यूरोपियन देशों की कड़ी आलोचना की।

वैंस ने म्यूनिख में सम्मेलन में कहा कि अगर यूरोप अस्तित्व संकट का सामना कर रहा है, तो यह संकट रूस, अमेरिका या यहां तक कि चीन की तरफ से नहीं है। यूरोप अपने सबसे बड़े अस्तित्व संकट का सामना अपने भीतर से कर रहा है। वैंस की इस आलोचना ने यूरोप और इसके नेताओं पर गहरी छाप छोड़ी, जो यूक्रेन संकट को लेकर रुस की तरफ से आ रहे खतरे का सामना कर रहे हैं।

वैंस प्रभावी रूप से वो बात कह रहे थे जो ट्रंप के बार-बार कही है, कि रुस से खतरे की स्थिति में, तो यूरोप को यह नहीं मानना चाहिए कि अमेरिका आकर यूरोपीय हितों की रक्षा करेगा। उनका रुख यह रहा है कि अमेरिका यूरोप के लिए रक्षा बिल चुका रहा है और यह अनिश्चितकाल तक नहीं चल सकता।

यूरोप को, डॉनल्ड ट्रंप के यूक्रेन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म पर 20 साल की सजा

जयपुर, 15 फरवरी। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने और उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त मोहन लाल को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 23 साल के इस अभियुक्त पर 1.75 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी कैलाश चंद अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने नाबालिग को बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाने और उसके साथ कई बार संबंध बनाने का अपराध किया है। यदि इसमें पीड़िता की सहमति भी रही थी तो भी यह अपराध

- पीठासीन अधिकारी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने नाबालिग को बहला-फुसला कर अपने साथ ले जाने और कई बार संबंध बनाने का अपराध किया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)